

प्रेषक,

एस0 रामास्वामी,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

परिवहन आयुक्त,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

परिवहन अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 01 अगस्त, 2015

विषय— बाजपुर में बस टर्मिनल का निर्माण कराये जाने हेतु राज्य आकस्मिकता निधि से धनराशि स्वीकृत करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड परिवहन निगम के पत्रांक-282 H.Q. /X/Development of Bus Terminuses/14, दिनांक 19 दिसम्बर, 2014 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि आयोजनागत पक्ष के अनुदान संख्या-24 के अन्तर्गत चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 में बाजपुर में बस टर्मिनल का निर्माण के क्रियान्वयन हेतु प्रथम चरण के प्रतिक्रियात्मक कार्यों के लिए ₹ 11.34 लाख के अग्रिम आहरण की वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर व्यय करने हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

(i) कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शेड्यूल आफ रेट्स में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गयी हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता/सक्षम अधिकारी से अनुमोदित करना आवश्यक होगा।

(ii) कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।

(iii) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

(iv) कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।

(v) निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री ही प्रयोग में लायी जाय।

(vi) आगणन में प्राविधानित डिजायन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता एवं अधीक्षण अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

(viii) कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।



क्रमशः..2..

2- उक्त धनराशि कोषागार से बैंक के माध्यम से तत्काल प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड परिवहन निगम देहरादून को उपलब्ध करा दी जाय।

3- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 में प्रथमतः लेखाशीर्षक 8000-राज्य आकस्मिकता निधि-लेखा-201-समेकित निधि के विनियोजन तथा अन्ततः अनुदान संख्या 24 लेखा शीर्षक 5055-सड़क परिवहन पर पूंजीगत परिव्यय 00-आयोजनागत 190-सार्वजनिक क्षेत्र तथा अन्य उपक्रमों में निवेश 03-उत्तराखण्ड परिवहन निगम हेतु बस स्टैंड के निर्माण हेतु अनुदान 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामें डाला जायेगा।

4- यह आदेश वित्त विभाग के अ0शा0सं0- 484/XXVII(2)/2015, दिनांक 27 अगस्त, 2015 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,
(एस0 रामास्वामी)
प्रमुख सचिव।

संख्या- 72/XXVII(1)/रा0आक0निधि/2015, दिनांक 28.08.2015।

प्रतिलिपि: महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी-प्रथम), उत्तराखण्ड ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा, सहारनपुर रोड़, देहरादून को एक अतिरिक्त प्रति सहित सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

आज्ञा से,
(श्रीधर बाबू आददांकी)
अपर सचिव, वित्त।

संख्या- 371/2015/32/IX/2015 तददिनांक।

प्रतिलिपि- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

- 1- महालेखाकार (आडिट) उत्तराखण्ड वैभव पैलेश सी-1/105 इन्दिरानगर, देहरादून।
- 2- निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, 23-लक्ष्मी रोड़, देहरादून।
- 3- प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड परिवहन निगम, देहरादून।
- 4- मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
- 5- जिलाधिकारी, ऊधमसिंहनगर।
- 6- आहरण वितरण अधिकारी, परिवहन आयुक्त कार्यालय, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 7- वित्त नियंत्रक, उत्तराखण्ड परिवहन निगम मुख्यालय देहरादून।
- 8- वित्त अनुभाग-2।
- 9- नियोजन अनुभाग।
- 10- एन0आई0सी0 उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
- 11- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
(एन0 एस0 दुर्गारियाल)
उप सचिव।